

PROF. (DR.) SHYAMA PRASAD MUKHERJEE

Prof. (Dr.) Shyama Prasad Mukherjee M.D. a leading medical practitioner has been treating poor patients free of any charge or for rupees five only and runs pathology laboratory with modest charges for routine investigations and histopathological biopsy investigations for more than last 50 years in Ranchi.

2. Born on November 20, 1935, in Patna, Bihar, Prof. (Dr.) Mukherjee passed his matriculation in 1950 from I. Sc Science College in 1952, MBBS from Prince of Wales Medical College Patna in 1957 and M.D (Path) in 1965 from Darbhanga Medical College, Bihar. After joining Bihar State Service as Civil Assistant Surgeon in 1959, he was posted in Arrah Bihar and then transferred to Darbhanga Medical College in 1962. He was again transferred to Rajendra Medical College, Ranchi in 1966 as Lecturer and promoted to the post of Professor in Pathology in 1980. After division of Pathology in 1982, he held the post of Professor and HoD Microbiology and retired in 1993.

3. Prof. (Dr.) Mukherjee is recipient of many awards and felicitations including CNNIBN, Reliance Real Hero in Medical Profession Eastern zone and IIPM, Chatarpur Delhi in 2011; Jharkhand Gaurav Samman in 2014 etc.

पद्म श्री



प्रो. (डॉक्टर) श्यामा प्रसाद मुखर्जी

प्रो. (डॉ.) श्यामा प्रसाद मुखर्जी, एम.डी. एक अग्रणी चिकित्सा प्रैक्टिसनर हैं और रांची में पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से गरीब रोगियों का निशुल्क अथवा मात्र पांच रुपए में इलाज कर रहे हैं और नियमित जांच और हिस्टोपैथोलॉजी बायप्सी जांच के लिए मामूली शुल्क लेकर पैथोलॉजी प्रयोगशाला चला रहे हैं।

2. प्रो. (डॉ.) मुखर्जी का जन्म 20 नवंबर, 1935 को पटना, बिहार में हुआ था। आपने 1952 में आई.एस.सी साइंस कॉलेज से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की, 1957 में प्रिंस ऑफ वेल्स मेडिकल कॉलेज, पटना से एम.बी.बी.एस. किया और 1965 में दरभंगा मेडिकल कॉलेज, बिहार से एम.डी (पैथॉलोजी) किया। 1959 में बिहार राज्य सेवा में सिविल सहायक सर्जन के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात, आपकी नियुक्ति आरा, बिहार में हुई। उसके बाद 1962 में दरभंगा मेडिकल कॉलेज में आपका स्थानांतरण हो गया। 1966 में लेक्चरर के रूप में राजेन्द्र मेडिकल कॉलेज, रांची में आपका फिर से स्थानांतरण हो गया और 1980 में आप पैथॉलोजी में प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत हुए। 1982 में पैथॉलोजी के विभाजन के पश्चात आप प्रोफेसर के पद पर रहे और सूक्ष्मजैविकी के विभागाध्यक्ष रहे और 1993 में आप सेवानिवृत्त हो गए।

3. प्रो. (डॉ.) मुखर्जी को कई पुरस्कार तथा सम्मान मिले हैं जिनमें सी एन एन आई बी एन, रिलांइस रियल हीरो इन मेडिकल प्रोफेशन इर्स्टन ज़ोन तथा 2011 में आई आई पी एम छत्तरपुर, दिल्ली, 2014 में झारखंड गौरव सम्मान इत्यादि शामिल हैं।